भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2743

04 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय- पश्चिम बंगाल में शहद उत्पादन हेतु सहायता

2743. श्री ईशा खान चौधरीः

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि.

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में बड़ी संख्या में किसान एवं मधुमक्खी पालक आजीविका के स्रोत के रूप में शहद उत्पादन में लगे हुए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है,

(ख) क्या सरकार द्वारा गुणवत्ता एवं शुद्धता प्रमाणीकरण के लिए मालदा जिले में एनएबीएल-मान्यता प्राप्त मधु परीक्षण प्रयोगशाला के अभाव के कारण इन मधुमक्खी पालकों के समक्ष आने वाली कठिनाइयों का आकलन किया गया है,

(ग) क्या सरकार का स्थानीय उत्पादकों को अपने मधु का परीक्षण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन तथा बेहतर मूल्य पर विपणन करने में सक्षम बनाने के लिए मालदा जिले में शहद परीक्षण प्रयोगशाला तथा आधुनिक शहद प्रसंस्करण एवं सान्द्रण संयंत्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है,

(घ) क्या राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं मधु मिशन (एनबीएचएम) अथवा केंद्र सरकार की किसी अन्य योजना के अंतर्गत मालदा जिले में ऐसी सुविधाओं की स्थापना के लिए कोई वित्तीय सहायता, सब्सिडी अथवा अवसंरचनात्मक सहायता उपलब्ध कराई जाती है, और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) बागवानी फसलों के आंकड़ों (द्वितीय अग्रिम अनुमान 2025-26) के अनुसार, मालदा जिले सहित पश्चिम बंगाल में 24.05 हजार मीट्रिक टन शहद का उत्पादन हुआ है। पश्चिम बंगाल राज्य सरकार ने यह सूचित किया है कि जिले के पुराने मालदा, कालियाचक और रतुआ ब्लॉक में मधुमक्खी पालन किया जाता है।

(ख) से (घ) राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन (एनबीएचएम) के अंतर्गत मिनी शहद परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना के लिए वर्ष 2021-22 में पश्चिम बंगाल के मालदा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - केंद्रीय उपोष्ण कटिबंधीय बागवानी संस्थान (आईसीएआर-सीआईएसएच) को 101.43 लाख रुपये स्वीकृत किये गये थे। प्रयोगशाला कार्यरत है। स्थानीय मधुमक्खी पालक शहद में एंटीबायोटिक स्तर और सी3 एवं सी4 की मात्रा की जांच के लिए सैंपल भेजते हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग (एमएसएमई) ने वर्ष 2015 में पुराने मालदा के शाहपुर में शहद के लिए 1 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एमएसएमई- क्लस्टर विकास कार्यक्रम शुरू किया। वर्ष 2024-25 में, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत मालदा जिले में 48 मधुमक्खी पालकों को 7.68 लाख रुपये के परिव्यय के साथ शहद के बक्से और मधुमक्खी कॉलोनियों की सहायता प्रदान की गई।

(ङ.) राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) के तहत, केंद्रीय/राज्य नोडल एजेंसियों द्वारा नामित पात्र कार्यान्वयन एजेंसियों (आईए) को एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र (आईबीडीसी), शहद परीक्षण प्रयोगशालाएं, मधुमक्खी रोग निदान प्रयोगशालाएं, गुणवत्तापूर्ण न्यूक्लियस स्टॉक विकास केंद्र, मधुमक्खी ब्रीडर, मानव संसाधन विकास (एचआरडी)/ क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, मधुमक्खी पालन के जरिए महिलाओं के सशक्तिकरण आदि के लिए परियोजना आधारित वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। एनबीएचएम विपणन, ब्रांडिंग, मूल्यवर्धन और अनुसंधान एवं विकास में भी सहयोग करता है। वर्ष 2021-22 से, एनबीएचएम ने पश्चिम बंगाल में 16.13 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 21 परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है

*****